प्रारुप–11

परियोजना का नाम– जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी में मियागाड से कुनारा तक मोटर मार्ग का निर्माण।

(प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा प्रस्तावित कार्य हेतु वन भूमि की मांग का पूर्ण औचित्य दर्शाते हुए विस्तृत आख्या प्रस्ताव के साथ संलग्न की जानी है।)

विस्तृत आख्या

उपरोक्त मोटर मार्ग की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति शासनादेश सं0 790/।।।–2/08– 34 (प्रा0आ0)/07 दिनांक 20 मार्च 2008 द्वारा रू0 264.00 लाख की प्राप्त है। यह मोटर मार्ग मोरी नटवाड़ सांकरी मोटर मार्ग परिवर्तित समरेखण के किमी 8 से प्रारम्भ होकर ग्राम कुनारा तक मोटर मार्ग आवागमन की सुविधा प्रदान करेगा।

उक्त मोटर मार्ग की स्वीकृति 12 कि0मी0 लम्बाई हेतु प्राप्त थी, इस मार्ग का निर्माण मोरी नैटवाड़ सांकरी मोटर मार्ग के कि0मी0 4 मियागाड से प्रारम्भ होना था, किन्तु मोरी नैटवाड़ सांकरी परिवर्तित समरेखण मोटर मार्ग का निर्माण होने से वर्तमान में मोटर मार्ग का समरेखण परिवर्तित समरेखण मोटर मार्ग के कि0मी0 8 से प्रारम्भ किया गया है, जिस कारण मात्र 3.50 कि0मी0 लम्बाई में मोटर मार्ग निर्माण से ग्राम कुनारा को संयोजकता प्रदान की जा सकेगी।

लक्षित ग्राम कुनारा में नगदी फसलों जैसे सेब, आलू, राजमा आदि का उत्पादन प्रचुर मात्रा में किया जाता है। मोटर मार्ग के अभाव में 3.50 कि0मी0 लम्बाई में मोटर मार्ग निर्माण से ग्राम कुनारा मोटर मार्ग से जुड़ जायेगा तथा ग्रामीण मोटर मार्ग का उपयोग अपनी नगदी फसलों के ढुलान में कर पायेंगे।

मोटर मार्ग निर्माण हेतु 2.8175 है0 आरक्षित एवं सिविल सोयम वनभूमि की आवश्यकता होगी जिसका हस्तान्तरण प्रस्ताव गठित किया गया है।

(धीरेन्द्र कुमार)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड, ली0नि0वि0, पुरोला

उप वन संरक्षक
टौन्स वन प्रभाग,
पुरोला